वार्षिक प्रतिवेदन

2011–2012

- स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम।
- सुक्ष्म बीमा कार्यक्रम।
- किसान क्लब कार्यक्रम।
- गांव विकास कार्यक्रम ।
- मनरेगा जागरूकता ।

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

सौली खड्ड,मंडी, जिला मंडी, (हि.प्र.)–175001

दूरभाषः– 01905–237478,237878

जन शिक्षा ,स्वास्थ्य और विकास के लिए कटिबद्ध

विषय सुची

क्र. स.	विवरण	पृष्ठसंख्या
1.	**समिति का गठन व पृष्ठभुमि**	
2.	**सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के प्रयास (वित्तपोषित नाबार्ड)**	
2.1	1200 स्वयं सहायता समूह परियोजना	
2.2	किसान क्लब कार्यक्रम	
2.3	संयुक्त देयता समूह	
2.4	गॉव विकास कार्यक्रम	
2.5	लोहागिरी कलस्टर थाची	
2.6	रूरलमार्ट योजना	
2.7	साप्ताहिक हॉट	
2.8	प्रशिक्षण स्त्रोत केन्द्र	
2.9	विभिन्न आय बढ़ोतरी	
2.10	वित्तीय साक्षरता अभियान (वित्तिय समावेश)	
3.	**सुक्ष्म जीवन बीमा योजना (प्रायोजित भारतीय जीवन)**	
4.	**समुदायिक आधारित जागरूकता कार्यक्रम (वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी)**	
5.	**संपूर्ण स्वचछ्ता अभियान**	
6.	**महात्मा गॉंधी रोजगार गारन्टी योजना (जिला ग्रमीण विकास अभिकरण)**	
7.	**भारतीय स्टेट बैंक (सर्विस प्रोवाईडर योजना)**	
8.	**विभिन्न दिवसों का आयोजन।**	
9.	**वित्तीय रिर्पोट परियोजनाऐं एवं जन सहयोग ।**	
10.	**समिति का संगठनात्मक ढॉंचा।**	
11.	**परियोजनाओं में कार्यकर्ताओं का ढॉंचा।**	
12.	**अखबारों के कतरने।**	
13.	**समिति को प्रदान पुरस्कार।**	

1 मण्डी में साक्षरता आंदोलन की पृष्ठभूमि

मण्डी साक्षरता समिति के गठन के प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले शुरू हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस काण्ड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को एक मंच पर इकट्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क में संगठित किया ताकि लोगों की वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति समझ विकसित की जा सके। इस सोच को विकसित करने के लिए वातावरण निर्माण हेतु राष्ट्रीय कला जत्थे में मण्डी के साथियों ने भागीदारी की तथा इस कार्यक्रम का आयोजन मण्डी में भी किया गया परन्तु यह शहरों तक ही सीमित रहा।

गांव में जागरूकता लाने के लिए साक्षरता अभियान की जरूरत महसूस हुई। देश में कार्यक्रम को चलाने के लिए भारत ज्ञान विज्ञान समिति व प्रदेश में हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति का गठन हुआ। 1990 में भारत ज्ञान विज्ञान समिति मण्डी इकाई का गठन तत्कालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसु की अध्यक्षता में किया गया। उसके उपरान्त 21 फरवरी 1992 को मण्डी साक्षरता समिति का गठन हुआ। वर्ष 1992 से सम्पूर्ण साक्षरता अभियान, 1994 से उत्तर साक्षरता अभियान व तत्पश्चात् 1998 से सतत् शिक्षा अभियान सफलतापूर्वक चले। इसके साथ पर्यावरण, समता और स्वास्थ्य, वोटर जागरूकता अभियान, पल्स पोलियो अभियान में समिति के कार्यकर्त्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। 18-12-2003 में समिति का नाम बदलकर मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वारा प्रायोजित परियोजना जन स्त्रोतों का संरक्षण एवं रख-रखाव का कार्य किया । 1999 में कार्य के अनुभव के आधार पर मण्डी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिया गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के साथ जुड़कर 2000 स्वयं सहायता समूहों की परियोजना में कार्य किया। 2005 से जिला ग्रामीण विकास अभिकरण मण्डी द्वारा प्रायोजित परियोजना सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। 2009 में सूक्ष्म बीमा का कार्य जीवन बीमा निगम के साथ शुरू किया है। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता, प्रशासन, जन प्रतिनिधियों व स्वयं सेवी कार्यकत्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश व प्रदेश में अग्रिम रूप से चलाया ।

मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति का चरित्र देश भर में शुरूआत से ही अलग रहा है, जिसमें स्वयं सेवी कार्यकत्ताओं ने विभिन्न राजनैतिक विचारधारा से सहमति रखने वाले कार्यकत्ताओं से एक साथ मिलकर कार्य किया तथा इस जन आन्दोलन को आगे बढ़ाया है। इस समय समिति विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही है जिसकी झलक इस रिपोर्ट में आपको मिलेगी।

प्रो0 सुन्दर लोहिया
महासचिव

समिति के उद्देश्य :-

1. समिति शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, ग्रामीण विकास व स्वच्छता के लिए जन अभियान चलायेगी।
2. राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, जनमुक्ति, समानता, लोकतन्त्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के लिए आम आदमी में चेतना विकसित करना।
3. आम आदमी के उत्थान के लिए प्रशिक्षण कैम्प व सेमीनारों का आयोजन करना।
4. समाज के कमजोर तबकों, जिसमें अनुसुचित जाति, जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु सरकारी, गैर सरकारी, जन प्रतिनिधियों ट्रेड यूनियनों, समाज सेवीयों, विद्यार्थियों व नौजवानों के साथ तालमेल करके कार्य करना।
5. विभिन्न सूचनाओं और आंकड़ो को एकत्रित करने हेतू सर्वेक्षण करना।
6. विकासात्मक गतिविधियों, विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान कने हेतु एक मंच उपलब्ध करवाना।
7. स्वरोजगार हेतु समूहों या व्यक्तिगत आधारित सरकारी और गैर सरकारी योजनाओं का पता लगाकर क्रियान्वित करवाना।
8. अपंगो व विकलांगों के लिए कार्य करना।
9. आम आदमी और सरकारी विभागों के बीच में सेतु का कार्य करना ताकि आम आदमी की पहुँच विभागों की योजनाओं तक हो सके।
10. तकनीक को ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचाना।
11. लघु बचत व सरकारी क्षेत्र के बीमा व बैंकिग सुविधाओं को आम आदमी तक पहुँचाना।
12. प्राकृतिक संसाधनों जिसमें जंगल, जमीन, पानी और अन्य संसाधनों के संवर्धन व संरक्षण के लिए कार्य करना।
13. जनता के संवैधानिक अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूकता पैदा करना।

2.सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के प्रयास (वित्त पोषित नाबार्ड)

2.1स्वयं सहायता समूह

समिति द्वारा अब तक 4000 समूहो का गठन किया जा चूका है। जिसमें में से 2500 के लगभग स्वयं सहायता समूह सक्रिय रूप से चल रहे है जिसमें से 1200 से अधिक समूह आमदानी बढोतरी के कार्य से जुडे हैं। समिति के 150 कलस्टर समन्वयक इन समूहों को चलाने का कार्य कर रहे है। वर्तमान में समिति को नाबार्ड से 1200 स्वयं सहायता समूहों को बनाने की परियोजना स्वीकृत की गई है। जिसकी प्रगति रिर्पोट निम्न लिखित है।

1200 स्वयं सहायता समूह गठन एवम् बैंक लिकेंज परियोजना

क0स0	खण्ड का नाम	अब तक गठित समूह	अब तक कुल खाते	अब तक बैंक लिंकेज	ऋण राशि
1	सदर	203	162	87	4087000
2	बल्ह	237	227	125	5468800
3	सुन्दरनगर	182	144	81	5892000
4	करसोग	115	90	34	2031000
5	धर्मपुर	84	58	38	1221000
6	गोपालपुर	135	127	77	1990100
7	द्रंग	82	74	42	1977500
8	चौंतड़ा	137	112	77	1513600
9	गोहर	89	77	29	435300
10	सराज	54	50	18	19000
11	बालीचौकी	28	10	00	00
	कुल जोड़	1346	1131	608	24806300/–

2.2 किसान क्लब कार्यक्रम

किसान क्लब कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 तक किए गए कार्य का विवरणः–

- ✓ नाबार्ड द्वारा प्रायोजित मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा संचालित किसान क्लब परियोजना के तहत वर्ष 2011–12 में जहां पिछली परियोजना के तहत 100 किसान क्लबों के शुभारम्भ व गतिविधियों का आयोजन किया गया वहीं द्वितीय 100 किसान क्लबों का विधिवत् गठन भी किया गया।
- ✓ **वर्ष 2009–10 में गठित 100** किसान क्लबों की परियोजना के अर्न्तगत की गई गतिविधियों का विवरण निम्नप्रकार से हैः–
- ✓ **वर्ष 2011–12** में किसान क्लब कार्यक्रम को और बेहतर ढंग से चलाने हेतू जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को दूर–दराज के क्षेत्रों में कैम्पों की गतिविधियों में शामिल करने के प्रयास किए गए जिसके अर्न्तगत 22 अप्रैल 2011 को करसोग खण्ड की दुर्गम पंचायत प्रेसी के शरचा गॉव में जागृति किसान क्लब के शुभारम्भ समारोह में तत्कालीन जिलाधीश मण्डी डा0अमनदीप गर्ग जी ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया वहीं कृषि, बागवानी, पशुपालन, विभाग के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ डी0डी0नाबार्ड, आर0डी0एम हिमाचल ग्रामीण बैंक नायब तहसीलदार, निहरी ने अपने पूरे स्टॉफ सहित भाग लिया। इस अवसर पर किसान क्रेडिट कार्ड मेलें का आयोजन किया गया जिसमें 58 **KCC** मौके पर ही बनाए गए ।
- ✓ इस प्रकार के आयोजनों से जहॉं एक तरफ प्रशासन व विभागों के कार्यक्रमों की जानकारी आम जनता व किसानों व बागवानों तक पहुॅंचना शुरू हुई वहीं बैंकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। इसी प्रकार द्रंग खण्ड के पिछड़े इलाके थल्दुखोड्ड में भी **31-5-2011** ए0डी0सी महोदय की अध्यक्षता में किसान जागरूकता क्रेडिट मेले का आयोजन किया गया जिसमें 400 के करीब किसानों ने भाग लिया तथा 52 KCC मौके पर ही बनाए गए। इसी प्रकार

के आयोजन गोहर खण्ड के मण्डप,सदर खण्ड के सेहली धर्मपुर खण्ड के डरवाड, करसोग खण्ड के फेगल,इत्यादि स्थानों में किया गया।

- ✓ क्लबों में त्रैमासिक गतिविधियों,शिविरों का आयोजन प्रथम तिमाही में 22 क्लबों में द्वितीय तिमाही में 57,तृतीय में 56 तथा चतुर्थ तिमाही में 27 कुल 162 कैम्पों में कृषि,बागवानी,पशुपालन,व स्वास्थ्य सम्बन्धित शिविरों का आयोजन किया गया। जिनमें सम्बधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।
- ✓ **वर्ष 2011–12** में 100 नये क्लाबें का गठन किया गया तथा जिनमें से 31 मार्च 2012 तक 13 क्लबों तथा पुराने 14 क्लबों का कुल 27 क्लबों का विधिवत् शुभारम्भ किया गया।

- ✓ **प्रशिक्षणः–** त्रैमासिक आधार पर क्लबों के मुख्य स्वयंसेवियों/सहायक समन्वयकों की बैठकें माह दिसम्बर 2011 में खण्ड स्तर पर करवाई गई जिसमें 195 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी तरह का प्रशिक्षण दिनॉंक 27.9.2011 को जिला स्तरीय स्त्रोत व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशाला मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति कार्यालय में आयोजित की गई । जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग किया ।

- ✓ **<u>अध्ययन भ्रमणः–</u>**नाबार्ड के सहयोग से जिला के 58 क्लबों के 196 किसानों को सब्जी उत्पादन डेयरी,बागवानी, मछली, उत्पादन, औषधीय पौधों की खेती,फूलों की खेती, पॉलीहाउस बारे तकनीक, कृषि फसलों बारे जानकारी आचार,चटनी,जैम,जूस,इत्यादि उत्पाद बनाने इत्यादि बारे अध्ययन भ्रमण एवं प्रशिक्षण हेत कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर ,बागवानी विश्वविद्यालय नौणी सोलन, झीड़ी, हर्बल, गार्डन, जोगेन्द्रनगर, मतस्यपालन केन्द्र पतलीकुहल कृषि विज्ञान केन्द्र सुन्दरनगर, झीड़ी, तकनीकी एवं विकास समिति नगवाईं इत्यादि संस्थानों में भेजा गया। इसके अलावा चौंतड़ा खण्ड के 8 क्लबों के 45 किसानों ने पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी उत्पादन, डेयरी में आधुनिक जानकारियाँ तथा नये–नये किस्म के बीजों व घास की जड़ें व आधुनिक तकनीक के कृषि बारे जानकारी हासिल की। 11.3.2012 से 14-3-2012 :– 25 किसानों ने झीड़ी,KVK SNR,हर्बल गार्डन जोगेन्द्रनगर का भ्रमण किया। जिसमें किसानों व जड़ी बूटियों बारे विस्तृत जानकारी दी गई। 15.3.2012- से 17.3.2012 :– 26 किसानों ने झीड़ी,KVK SNR,हर्बल गार्डन जोगेन्द्रनगर का भ्रमण किया।21.3.2012 से 23.8.2012चौंतड़ा खण्ड के 8 क्लबों के 45 किसान Palampur Agr.University)
- ✓ **किसान क्रेडिट कार्डः–** किसान क्लब कार्यक्रम के अर्न्तगत किसान क्लबों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता अभियान प्रयास किए गए तथा किसान क्रेडिट मेलों व व्यक्तिगत तौर पर जिला में 285 किसान क्रेडिट कार्ड बनवाए गए सर्वाधिक 52 क्रेडिट कार्ड शर्चा खण्ड करसोग के जागृति किसान क्लब के द्वारा बनवाए गए।
- ✓ **दूध गंगा परियोजना** के तहत भी किसान क्लबों के माध्यम से 150 के करीब किसानों को इस योजना के साथ जोडा गया सर्वाधिक 27 दूध गंगा के केस भी फेगल खण्ड करसोग के क्लब द्वारा किए गए।
- ✓ **कृषि एवं खेतीबाड़ी सम्बन्धीः–**किसान क्लबों के माध्यम से गोहर खण्ड के बाढू, झुंगी, द्रंग के बरोट, बल्ह के डहणु, दसेहड़ा, सराज के जंजैहली करसोग के पाँगणा, कलाशन, सुन्दरनगर के चमुखा आदि क्लबों में 350 के करीब किसानों को गेहूँ,मटर,व आलू का बीज कृषि विभाग के माध्यम से वितरित किया गया। मृदा परीक्षण,कृषि विभाग के सहयोग से जिला के 24 क्लबों के माध्यम से 340 मिट्टी के सैम्पलों को मृदा परीक्षण केन्द्र सुन्दरनगर भेजा गया और इसकी रिर्पोट भी किसानों को दी गई सर्वाधिक सैम्पल घरोट खण्ड गोहर के नेहरू व विकास क्लबों द्वारा 70 सैम्पलों की जाँच करवाई गई। बागवानी विभाग के साथ मिलकर क्लबों द्वारा काफी गतिविधियाँ की गई तथा बल्ह, गोहर, करसोग, सुन्दरनगर, गोपालपुर, द्रंग, व चौंतड़ा खण्डों में विशेष तौर पर सम्बधित HDO व HEO द्वारा इसमें भरूपर सहयोग किया गया गत वर्ष HTM के तहत जागृति क्लब शर्चा, नेहरू क्लब काण्ढी गोहर, अम्बेडकर क्लब बाढू नवरचना क्लब नांज करसोग, कृष्णा क्लब दसेहड़ा इत्यादि क्लबों ने फलदार पौधे लगवाए और HTM के तहत केस भी बनवाए।

- ✓ **पशुपालनः–** इसके तहत नाबार्ड द्वारा प्रयोजित दूध गंगा परियोजना को सफल बनाने हेतू क्लबों के माध्यम से जागरूकता शिविरों में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों के माध्यम से 150 के करीब केस बनाए गए। सर्वाधिक 27 केस फेगल खण्ड में बने। इसके अतिरिक्त बरसात में पशुओं को लगने वाली बिमारियों से बचाव,दूध उत्पादन को बढ़ाने हेतू जागरूकता शिविरों में जानकारी प्रदान की गई।
- ✓ **मनरेगाः–**मनरेगा के तहत विभिन्न तरह के कार्यो,जल संग्रहण,टैंक के निर्माण,पौधरोपण,भूमि सुधार सिंचाई कुहल निर्माण कार्य करवाने नहरे जागरूकता शिविरों का आयोजन DRDA के माध्यम से करवाया गया। इस बारे जागरूकता की किसानों में कमी पाई गई तथा भविष्य हेतू इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। किसानों को मनरेगा कार्य की शैल्फ डलवाने व ग्राम सभा में जाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इसके अलावा किसानों ने जंगली जानवरों,आवारा पशुओं बन्दरों व सुअरों इत्यादि के प्रकोप से बचने हेतू सरकार को कारगर कदम उठाने बारे आग्रह भी किया गया तथा मनरेगा के तहत राखे रखने पर भी विचार किया जा रहा है।
- ✓ **क्लबों में जुड़ने के फायदेः–**कसान क्लब के माध्यम से किसान क्लब गाँव के किसानों के लिए एक महत्वपुर्ण सूचना केन्द्र व परामर्श केन्द्र बन सकता है। बीज, खाद, पौधे इत्यादि की डिमांड व वितरण कुछ क्लबों द्वारा किये जाने से विभाग व क्लब के लोगों की आपसी तालमेल बढ़ा है। बैंक व विभागों के अधिकारियों के सहयोग से गाँव स्तर पर ही बहुत सी समस्याओं का निपटारा किया जा सकता है। समिति द्वारा गठित 200 किसान क्लबों में ज्यादातर क्लब अभी भले ही नियमित रूप से गतिविधियाँ या रिर्पोट न दे पाए हो लेकिन इतना जरूर है कि किसानों को अपनी समस्याओं को रखने व सवाल पूछने बारे जागरूकता आ रही है और बैठक व गतिविधयों की शुरूआत हो गई है। भविष्य में इस परियोजना के तहत अभी और बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अभी तो शुरूआत है। इसके लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है वहीं क्लबों के लोगों को भी सक्रीयता दिखानी होगी। विभागीय सहयोग,बैंको व स्थानिय निकायों के सहयोग की भी जरूरत है। नाबार्ड की तरफ से जहाँ इस परियोजना के तहत समिति को पूरा–पूरा सहयोग व मार्गदर्शन मिला है। वहीं भविष्य में क्लबों के माध्यम से SHG व JLG गठित करवाने तथा किसानों की फैडरेशन के माध्यम से मार्केटिंग कौशल को बढ़ाने हेतू मार्गदर्शन की जरूरत भी समिति को रहेगी।

2.3 संयुक्त देयता समूह

नाबार्ड द्वारा समिति को 2010मे 500 संयुक्त देयता समूह बनाने की परियोजना स्वीकृत की गई है। जिसमें 4–10 सदस्यो को अपना कारोबार करने के लिए अधिकतम 50000रू0 तक ऋण ले सकते है। बर्ष 2011–12 की प्रगति रिर्पोट निम्न लिखित है।

क्र0 स0	खंड का नाम	लक्ष्य	अब तक गठित कूल संयुक्त देयता समूह	कुल सदस्य			अब तक कुल लिंकेज	ऋण राशि
				महिला	पुरूष	कुल		
1	सदर	100	124	180	228	408	30	4500120.00
2	बल्ह	75	72	210	88	298	29	5055000.00
3	सुन्दरनगर	75	34	60	83	143	20	3230000.00
4	करसोग	50	18	12	44	56	2	270000.00
5	धर्मपुर	40	18	24	32	56	3	600000.00
5	गोपालपुर	50	9	10	33	43	1	75000.00
6	द्रंग	40	17	22	45	67	8	1000000.00
7	चौंतड़ा	40	17	52	16	68	16	1765000.00
8	गोहर	40	10	12	20	32	0	00.00
10	सराज	25	17	16	48	64	4	585000.00
11	बालीचौकी	25	5	0	25	25	4	550000.00
	कुल जोड	**560**	**341**	**598**	**646**	**1244**	**117**	**17630120.00**

.4 गांव विकास कार्यक्रम

गांव खील की 2011 की गतिविधियों की रिर्पोटः–

- ✓ 15-7-2011 को किसान क्लब की बैठक की गई। जिसमें 23 किसानों ने भाग लिया तथा निर्णय लिया गया कि वन विभाग की एक बैठक बुलायेगें। जिसमें वृक्षारोपण पर चर्चा की जायेगी।
- ✓ 22-7-2011 को संयुक्त देयता समूह का गठन किया गया और उसका खाता स्टेट बैंक आफ पटियाला में खोला गया तथा निर्णय लिया गया कि उसे शीघ्र ही बैंक से लोन दिलायेगें।
- ✓ 27-7-2011 को वन विभाग की ओर से एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 20 लोगों ने भाग लिया तथा निर्णय लिया गया कि माह अगस्त में लोगों को नर्सरी से पौधे दिये जायेगें। जिन्हें किसान अपनी जमीन में लगाएगें।
- ✓ 26-8-2011 को वन महोत्सव बनाया गया जिसमें 35 लोगों ने भाग लिया। जिसमें लोगों ने अपनी जमीन में दावेदार के 10 पौधे नींबु के 100 पौधे व दाड़ु के 70 पौधे लगाए गए। यह पौधे विभाग द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे।
- ✓ 25-9-2011 को कृषि विभाग द्वारा खील में कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 33 लोगों ने भाग लिया। कृषि प्रसार अधिकारी श्री राकेश कुमार ने लोगों को खाद व बीज के बारे में जानकारी दी। तथा इसे समय के अनुसार डालने से फायदा होता है। फसल अच्छी आती है। और जमीन को भी नुक्सान नंही होता। साथ में निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में बागवानी कैम्प लगाया जायेगा। जिसमें सेब की प्रजातियों के बारे में चर्चा की जायेगी।

- ✓ 25-9-2011 को कृषि कैम्प लगायार गया। जिसमें 33 लोगों ने भाग लिया। A.E.O चुराग द्वारा मटर बीज की उतम किस्म तथा बीमररियों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई।
- ✓ 2-10-2011 पशुपालन कैम्प लगाया गया। जिसमें पशुओं को लगने वाली बिमारियां व उनके बचाव के बारे में बातचीत की गई। यह जानकारी श्री चमनलाल ने दी।
- ✓ 29-10-2011 को उद्यान विभाग द्वारा बागवानी कैम्प लगाया गया। जिसमें 41 लोगों ने भाग लिया। कैम्प में प्रोनिंग ग्रफटिंग के बारे में जानकारी दी गई।
- ✓ 27-11-2011 को बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें करसोग से आए श्री विहारीलाल ने अध्यक्षता की तथा पिदली कारवाई की समीक्षा की गई तथा निर्णय लिया गया कि आज तक जो भी कार्य हुआ है उसकी समीक्षा की जाए। और जल्दी से जल्दी सारे कार्य निपटाए जाऐ।
- ✓ 8.12.11 गांव विकास कार्यक्रम खील की कमेटी की बैठक सचिव मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने की जिसमे 25 लोगो ने भाग लिया ।
- ✓ 12.12.11 कृषि विभाग का कैम्प में आलु व मटर की खेती के बारे जानकारी दी गई तथा विभाग द्वारा बिजो का वितरण किया गया ।
- ✓ 24-1-2012 को बागवानी कैम्प लगाया गया। जिसकी अध्यक्षता एन0आर0ठाकुर द्वारा की गई। जिसमें लोगों को सेब के उन्नत किस्म के पौधे लगाने की जानकारी दी गई। जिसमें गावं के 25 बागवानों ने भाग लिया।
- ✓ 28-2-2012 को कृषि कैम्प लगाया गया जिसमें श्री राकेश चौधरी AEO द्वारा कृषि सम्बन्धी जानकारी दी गई। जिसमें 50 लोगों ने भाग लिया। लोगों को उन्नत किस्म के बीज व खाद की पुरी जानकारी दी गई।
- ✓ 21-3-2012 को गांव विकास समिति की बैठक प्रधान श्री हेमकुन्द की अध्यक्षता में हुई जिसमें वर्ष 2009 से वर्ष 2012 तक कार्यो की समीक्षा की गई।
- ✓ 31-3-2012 को 20 किसान व बागवानों का एक्सपोर्जर विजिट मशोबरा में किया गया। जिसमें सेब व फलों की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

गांव नौण के शुभारम्भ व गतिविधियों की संक्षिप्त रिर्पोटः–

शुभारम्भ की तिथि :– 27.8.2011मुख्य अतिथिः– श्री जितेन्द्र सांजटा उपमण्डाधिकारी गोहर।भागीदारी–श्री राजेश कुमार कृषि प्रसार अधिकारी चैलचौक,श्री तपेन्द्र नेगी वन रक्षक,श्री खेमचन्द्र ठाकुर पशुपालन विभाग,श्री दिवान चन्द्र उद्यान विभाग अधिकारी,श्रीनिशान्त लकड़ कृषि अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक,श्री रमेश कुमार शर्मा प्रबन्धक राज्य संहकारी बैंक चैलचौक,श्री एन0के0अरोड़ा एल0डी0एम अग्रणी बैंक मण्डी,श्री ललित मोहल नेगी जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड मण्डी।

गतिविधियां

- ✓ 20 लोगों की कमेटी का गठन।
- ✓ संयुक्त देयता समूह :–1सुक्ष्म बीमा :– 80,स्वंय सहायता समूह =3,किसान क्रेडिट कार्ड :– 23
- ✓ 16.10.2011 ग्राम सभा की बैठक की गई जिसमें 5 प्रस्ताव नरेगा में डाले गये।
- ✓ 21.11.2011 को एक कृषि कैम्प लगाया गया। जिसमें कृषि प्रसार अधिकारी गोहर ने कृषि सम्बन्धी विस्तृत जानकारी दी। जिसमें 52 लोगों ने भाग लिया। 10 केंचुए पीट बनाए गए है।
- ✓ 6.12.2011 को कमेटी की बैठक जिला सहायक समन्वयक श्री हेमचन्द ने की। जिसमें 30 लोगों ने भाग लिया। बैठक में स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह बनाने पर चर्चा तथा निर्णय लिया गया कि माह जनवरी में 10 नये समूहों का गठन किया जायेगा तथा 20 लोगों को एक्सपोर्जर विजिट के लिए पालमपुर भेजा जाएगा। जिसकी सूची जिला कार्यालय को दी गई है।

गांव सेहली के शुभारम्भ व गतिविधियों की संक्षिप्त रिर्पोटः–

- ✓ ग्राम विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ :– 30-8-2011 मुख्य अतिथि :– अतिरिक्त उपायुक्त श्री हंसराज चौहान
- ✓ विभागः– पशुपालन,कृषि,उद्यान विभाग विकास खण्ड अणिकारी डी0डी0 एम नाबार्ड कुल उपस्थितिः– 190
- ✓ गांव विकास कार्यक्रम की कमेटी का गठन :–30-8-2011कुल सदस्य 20
- ✓ नामः–बालक राम रोशनलाल गोपेन्दग कुमार कर्मचन्द राकेश कुमार श्रीमति धर्माशर्मा धर्मचन्द्र मोरध्वज भुरीसिंह कश्मीरी सिंह दिनेशकुमारी मायादेवी अनिता शर्मा रेखा देवी जीवनलता मीना देवी पदमा देवी।

2.गतिविधियांः–

- ✓ गांव में कुल स्वयं सहायता समूह का गठनः– 7 बैंक लिंकेज 2 कुल संयुक्त देयता समूह का गठनः–0 बैंक लिंकेज :–0 सुक्ष्म बीमा पॉलिसी 86 किसान क्रेडिट कार्ड :–5किसान क्लब का गठन।कौशल विकास कार्यक्रम के तहत चिन्हित प्रशिखण का नाम बैंग,पर्स।कुल सदस्यः–20
- ✓ विभिन्न विभागों कं सहयोग से गतिविधियांः–कृषि विभाग द्वारा स्वीकृत केंचुआ पिटसः– 30 मिट्टी के सैम्पल :– 15
- ✓ 16-10-2011 को 5 प्रस्ताव ग्ग्रम सभा से पारित करवाकर नरेगा में डाले गये। ग्ग्रम सभा में कोरम पूरा हो गया था।
- ✓ 14-11-2011 को स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर 16-11-2011 को कृषि कैम्प लगाया गया।
- ✓ 10-12-2011 को कमेटी की बैठक 42 लोग तथा 2 स्वयं सहायता समूह लिंक किए गए।
- ✓ **<u>गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत गांव छात्र कलैहड़ी के शुभारम्भ व गतिविधियों की संक्षिप्त रिर्पोटः–</u>**
- ✓ **शुभारम्भ की तिथिः–**15-9-2011 **मुख्य अतिथिः–** महाप्रबन्धक श्री ई0वी0मोरे नाबार्ड। **विभागीय अधिकारीः–**श्री विरेन्द्र कुमार पशुपालन अधिकारी,श्री हुक्कम चन्द बागवानी प्रसार अधिकारी,श्री सुरेश कुमार कृषि प्रसार अधिकारी,श्री नरदेव ठाकुर स्वास्थ्य विभाग ,श्री ललित मोहन नेगी सहायक महाप्रबन्धक नाबार्ड मण्डी।
- ✓ **गतिविधियांः–**कमेटी का गठन ।10 स्वयं सहायता समूहों का गठन,1 संयुक्त देयता समूह का गठन,68 सुक्ष्म बीमा पॉलिसी,3 किसान क्रेडिट कार्ड,
- ✓ 2.10.2011 को ग्राम सभा में 6 प्रस्ताव डाले गये जिन्हें ग्राम सभा ने पास कर दिया।
- ✓ 15.11.2011 को एक बड़ा कृषि कैम्प लगाया गयां जिसकी श्री गुलाब सिंह ठाकुर A.E.O सरकाघाट ने अध्यक्षता की।जिसमें 52 लोगें ने भाग लिया। कैम्प में कृषि बीज, आलु बीज बारे जानकारी दी गई।
- ✓ 14.12.2011 को कमेटी की बैठक की गई और आगामी रणनिति बनाई गई।

गांव फेगल के शुभारम्भ व गतिविधियों की संक्षिप्त रिर्पोटः–

✓ **शुभारम्भ की तिथिः–**19.10.2011 मुख्य अतिथि :– श्री विवेक चन्देल ,SDM सुन्दरनगर विभाग :– वन विभाग,बिजली सिंचाई पशुपालन,कृषि,उद्यान विभाग।पंचायत प्रधान वार्ड सदस्य ने भाग लिया।कुल उपस्थितिः– 90 **कमेटी का गठनः–** 19.10.2011कुल सदस्यः– 20

✓ गतिविधियां

- ✓ स्वय सहायता समूह :–5 बैंक लिंकेज :–4सुक्ष्मबीमा :– 06किसान क्रडिट कार्ड :–35
- ✓ 17-10-2011 को 5 प्रस्ताव ग्ग्रमसभा में रखा गया ।

- ✓ 17.11.2011 को पशुपालन कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 44 लोगों ने भाग लिया।
- ✓ 19.12.2011 को उद्यान विभाग का कैम्प लगाया गया जिसमें 49 लोगों ने भाग लिया 1200 पौधारोपन का निर्णय fy;k x;k A

2-5 लोहगिरी कलस्टर की संक्षिप्त रिपोर्ट

- ✓ परियोजना की प्राथमिक स्वीकृति 26 नवम्बर,2007 को मिल चुकी है। परन्तु परियोजना की वित्तीय कार्ययोजना की स्वीकृति दिसंबर,2009 में नाबार्ड द्वारा दी गई। अतः परियोजना के 3 वर्ष का समय नवम्बर,2012 को पूरा होगा।
- ✓ गांव में 8 समूहों का गठन किया गया है। जिसमें 60 दस्तकार इस कार्य को वर्तमान में कर रहे है। जिसमें से 15 दस्तकार, वाद्ययंत्र ,मोहरे इत्यादि बनाते है। शेष 45 दस्तकार कृषि उपकरण व लोहे के अन्य औजार बना रहे हैं। इस समय गांव में एक वर्ष में **30 लाख रूपये** से अधिक के उत्पाद किया बनाए जा रहा है। मशीनरी लगवाने के उपरांत यह उत्पादन दोगुणा हो सकता है।

- ✓ दो वर्क शैड बनाने हेतु 3,60,000/–रु0 जिला ग्रामीण विकास अभिकरण से उपायुक्त महोदय जी ने स्वीकृत किये है। शैड का कार्य पूरा हो चुका है।
- ✓ थ्री फैस बिजली लाईन बिछाने हेतु उपायुक्त महोदय के अथक प्रयासों द्वारा लाईन बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है
- ✓ मशीनरी खरीदने हेतु सप्लाई आर्डर जनवरी माह में दिया गया है। इस हेतु बी.एन. उद्योग बटाला को जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में दिया गया है। 8 मार्च,2012 को दो पावर हैम्बर भेजने हेतु बी.एन. उद्योग के अनुरोध पर 2 लाख रूपये अग्रिम भेजे गये हैं। परन्तु अब यह पूरे भुगतान के उपरांत सप्लाई करने को कह रहे है। इस हेतु अतिरिक्त उपायुक्त महोदय ने दो बार बी.एन. उद्योग बटाला से बातचीत भी की है। महाप्रबंधक उद्योग विभाग द्वारा भी इस हेतु प्रयास किये गए। परन्तु अब भी यह पूरी राशि का भुगतान करने के उपरांत ही मशीनरी भेजने की बात कर रहे है

- ✓ मशीनरी को गांव तक पहुंचाने के लिए सड़क की मुरम्मत के कार्य की जरुरत है क्योंकि मशीनरी का बजन 8 क्विंटल से अधिक है। इसलिए गाडी में चढ़ाना व उतारना मुश्किल है। इस हेतु उपायुक्त महोदय द्वारा अधिशाषी अभियंता गोहर को कार्य करने बारे पत्र भेजा गया है। समिति कार्यकर्ता द्वारा सहायक अभियंता बालीचौकी से इस संबंध में बातचीत की परन्तु जिस ठेकेदार को यह कार्य दिया गया है उसकी जेसीबी मशीन दूसरी जगह व्यस्त है इस कारण यह कार्य नही हो पा रहा है।

2-6 रूरल मार्ट योजनाः–

नाबार्ड द्वारा प्रायोजित 5 रूरल मार्टो में से जोगिन्द्रनगर, चैलचौक और सरकाघाट व कनैड में स्वयं सहायता समूहों द्वारा नियमित रूप से चलाये जा रहे है। समूहों द्वारा तैयार उत्पाद इन मार्टो में विक्रय किया जा रहा है तथा दुकान का किराया भी समूहों के उत्पादों की बिक्री से अदा किया जा रहा है।

2-7 साप्ताहिक हॉट

साप्ताहिक हॉट प्रत्येक शनिवार को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के माध्यम से लगाई जाती है जिसमें मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति के समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री की जाती है।मासिक बिक्री का विववरण निम्न प्रकार से हैः–

क्0स0	समूह का नाम	समूह विवरण	खंड	दिनांक बार बिक्री			
				7-1-2012	13-1-2012	21-1-2012	28-1-2012
1.	लक्ष्मी	साक्षरता	सदर	3000	3500	2500	3000
2.	नवकिरण	साक्षरता	बल्ह	12000	15000	10000	12000
3.	संघर्ष	साक्षरता	सुन्दरनगर	800	700	1000	1200
4.	वैष्णुमाता	साक्षरता	सदर	900	800	800	900
5.	जीवनज्योति	साक्षरता	सदर	3500	3200	2100	3000
6.	साईं	साक्षरता	सुन्दरनगर	1000	1000	1000	1000
7.	बेसहारा	साक्षरता	सदर	1000	1000	1000	1000
8.	प्रगति	साक्षरता	सदर	1000	1000	1000	1000
9.	शितला	आंगनबाड़ी	सदर	2000	2000	1000	1500
10.	ल्रेकृष्ण	साक्षरता	बल्ह	800	700	800	600
11.	चौका माता	साक्षरता	बल्ह	1100	1300	1200	1400
12.	हनुमान	साक्षरता	सदर	1500	1200	800	1100
			कुल	28600	31400	23200	27700
कुल समुह साक्षरता		12	कुल समूह आईसीडीएस	1	कुल बिक्री साक्षरता+आईसीडीएस		
					110900		

2-8 प्रशिक्षण स्रौत केन्द्र

स्त्रौत केन्द्र भवन का निर्माण जन सहयोग से किया गया हैं।नार्बाड द्वारा इसे स्त्रौत केन्द्र स्वीकृत किया गया है। जिसमें समिति के कार्योक्रमो के इलावा विभगो व

अन्य सस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है मुख्यतः रिर्पोट निम्न लिखित है।

क0 स	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1.	25-8-2011	संयुक्त देयता सम्बन्धी बैठक	15
2.	29-8-2011-To30-8-2011	शिक्षा विभाग की Eco कार्यशाला	16
3.	27-9-2011	कलाजत्था का 8 सितम्बर कार्यक्रम	10
4.	12-9-2011 To 16-9-2011	वितिय साक्षरता कार्यशाला (नाबार्ड)	35
5.	21-9-2011	आचार,मुरब्बा ट्रेनिंग	15
6.	3-2-12 To5-2-12	पाठ्शालाओं में विज्ञान के प्रयोग	35
7.	20-2-12To1-3-12	सारस मेला के प्रतिभागी	15
8.	12-3-12	प्रधानो की कार्यशाला (नाबार्ड)	45
9.	15-3-12To17-3-12	किसानो की कार्यशाला(नाबार्ड)	25

2-9 विभिन्न आय बढ़ोतरी कार्यक्रम प्रशिक्षण

स्वंय सहायता समूहों के कौशल विकास के लिए नाबाड व जिला उद्योग केन्द्र की सहायता से निम्नलिखित प्रशिक्षणो का आयोजन किया गया ।

क्र	विषय	दिनांक/ वर्ष प्राप्ती	प्रति भागी	खंड	सहयोग राशिप्राप्त
1.	आचार प्रशिक्षण मट्यारा,सकलाणा MEDP	2011–12	50	मट्यारा,सकलाणा	45500.00
2.	आचार प्रशिक्षण सैहली MEDP	2011–12	20	सैहली	20000.00
3.	खोया पनीर MEDP	2011–12	20	फेगल	20000.00
4.	लेडीज बैग व पर्स MEDP	2011–12	75	छतरी,भंगरोटू, नरोला	79875.00
5.	बडीयां सीरा MEDP	2011–12	30	बरछबाड	27000.00
6.	आचार प्रशिक्षण MEDP	2010–12	25	परलोग	24875.00
7.	आचार प्रशिक्षण MEDP	2010–12	25	भटेहड	24875.00
8.	कंपियुटर प्रशिक्षण SDP	2011–12	20	निहरी	71000.00
9.	लेडीज बैग व पर्स एक माह SDP	2011–12	25	रखोटा	48625.00
10.	लेडीज बैग व पर्स 45 दिन SDP	2011–12	25	कलाशन	67250.00
11.	स्कूल ड्रैस SDP	2011–12	25	कनैड	75500.00
12.	ड्राईविंग SDP	2011–12	20	करसोग	68000.00

2.10 वित्तीय साक्षरता अभियान ;वित्तिय समावेशद्ध

वितिय समावेशन क्यों ?

भारतीय रिजर्व बैंक नाबार्ड के वित्तिय समावेशन कार्यक्रम के अर्न्तगत देश के प्रत्येक गांव, शहर में प्रत्येक परिवार के कम से कम एक बालिग सदस्य का बैंक सदस्य होना आवश्यक है।बैंक में खाता खोलना, बैंकिंग समावेशन का प्रथम चरण है। वितिय समावेशन का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना है। इसके अर्न्तगत परिवार में बचत की आदत डालना, आमदनी/खर्चे में सन्तुलन तथा महाजनी ऋण से मुक्ति दिलाना भी सम्मिलित है। बैंकिंग सूविधाओं के साथ साथ जन सामान्य को वित्तिय शिक्षा अर्थात बैंक, बीमा आदि के फायदे की शिक्षा देना। दूर्गम स्थानों पर धन का आसानी से न्युनतम समय में अंतरण कराना/ पैंशन तथा भुगतान हेतु घर के समीप ही सुविधा उपलब्ध कराना। समाज कम गरीब व कम पढे लिखे वर्ग का न्युतम कागजी दस्तावेज व विना पैसे के ने फील खाता

खोलना हैं।

इसी क्रम में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को वित्तिय साक्षरता अभियान के माध्यम से आम लोगों तक सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ साथ नाबार्ड, बैंक अथवा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जिनमें, सुक्ष्म बीमा एवं अन्य बीमा योजनांए,स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, किसान क्लब कार्यक्रम की जानकारी देना। नाबार्ड के माध्यम से समिति द्वारा 4000 स्वयं सहायता समूह 300, संयुक्त देयता समूह,200 किसान क्लबों का गठन किया गया हैं इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन बीमा निगम के लिए 28000 सुक्ष्म बीमा पॉलिसियां बनाई गई। नाबार्ड द्वारा समिति को एक वर्ष की अवधि के दौरान कला जत्थे व किसान क्रेडिट कार्ड मेलों के माध्यम से लोगों को उक्त योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य है। आओ सब मिलकर इन योजनाओं से जुड़े। योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी अगले पृष्ट पर दी गई है।

समिति द्वारा 100 पंचायतो में कला जत्थे के कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त किसान क्रेडिट कार्ड मेलो का आयोजन किया गया । विवरण निम्न लिखित है।

क्र0स0	विवरण	लक्ष्य	संख्या
1.	बचत खाते	7500	15250
2.	किसान क्रेडिट कार्ड	3000	3357
3.	स्वयं सहायता समूह	750	306
4.	सुक्ष्म बीमा	7000	4500
5.	संयुक्त देयता समूह	300	54

3-सुक्ष्म बीमा योजना का कार्यक्रम

सुक्ष्म बीमा की यह परियोजना वर्ष 2009 से शुरू की गई है। इस योजना के अर्न्तगत जीवन मंगल तथा जीवन मधुर नाम की दो स्कीमें हैं जिनकी अवधी केवल 12 वर्ष की है तथा 300 रूपये मासिक किश्त बनती है। इन स्कीमों में 18से 60 वर्ष आयु वर्ग के किसी भी व्यक्ति का बीमा बिना स्वास्थ्य जाँच के हो जाता हैं। समिति द्वारा चलाई गई इस परियोजना के अर्न्तगत अब तक 27 हजार लोगों का बीमा किया जा चुका है। इतना ही नहीं अब तक 80 लोगों को मृत्यु के दावों का भी भुगतान किया जा चुका है। योजना के अर्न्तगत समिति के 308 बीमा मित्र कार्य कर रहे हैं तथा हर मास बीमा किसत के रूप में लगभग 30 लाख रूपये जमा करवाए जा रहें हैं। बीमा क्षेत्र में अग्रसर रहने के फलस्वरूप ही समस्त उतर क्षेत्र में

मण्डी साक्षरता व जन विकास समिति को प्रथम स्थान प्राप्त करने कसौभाग्य प्राप्त हो चुका है।

सुक्ष्म जीवन बीमा योजना विवरण मार्च,2012,

क	विवरण	
1	मार्च 2012 में बनाई गई पॉलिसियां	233
2	अप्रैल 2011 से मार्च 2012 तक बनाई गई पॉलिसियां	6767
3	कुल पॉलिसियां	27041

4	कुल कार्यरत बीमा मि= (SP)	302
5	आज तक प्राप्त कुल मृत्यु दावे	97
6	स्वीकृत मृत्यु दावे	88
7	कुल राशि जो कि मृतकों के आश्रितों को वितरित की गई।	1995131.00
8	कुल शिकायतें प्राप्त हुई	21
9	कुल शिकायतों का निपटारा किया गया।	18
10	कुल पूर्णकालिक कार्यकर्ता जिला स्तर पर नियुक्त	04
11	कुल प्रस्तावित कार्यकर्ता की जरूरत (लेखापाल, डाटा ऑपरेटर)	07
	कुल कमीशन प्राप्त	504783.00
	कमीशन वितरित	**4755308.00**
	TDS की राशि	**504783.00**

4-समुदाय आधारित जागरूकता कार्यक्रम (CLAP)

हिमाचल प्रदेश सरकार के पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पर्यावरण सुरक्षा तथा कार्बन की मात्रा को सामान्य करने के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम विभाग द्वारा नोडल संस्था डवलमेन्ट अलटरनेटिवस (DA) को दिया गया है। मण्डी जिला के पांच खण्डों सदर, गोहर, गोपालपुर, धर्मपुर, सराज, की 38 पंचायतों में इस कार्यक्रम को चलाने हेतु 23 अगसत 2011 को समिति का डवलमेन्ट अलटरनेटिव के साथ MOU हस्तांक्षरित हुआ। इस कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तर पर चार प्रकार की गतिविधियां की जानी है। 1. Assesment 2. Awarness 3. Advocacy 4. Action । समिति पांच खण्डों की 38 पंचायतों में गोपालपुर की 7, धर्मपुर की,8 सदर की 8 सराज की ,8 गोहर की,7 पंचायतों में (आंकलन) का कार्य किया जा चुका है तथा सदर खण्ड की नंगवाई पंचायत में जागरूकता (Awairness) का कार्य किया जा चुका है। अप्रैल माह में सदर खंड की लागधार, मझवाड़, धर्मपुर की हियूण पैहड़ तथा सराज की थाची पंचायत में ऐसेसमेंट का कार्य किया गया जिसमें पंचायत की भौगोलिक स्थिति ऊर्जा संसाधनों, पानी के स्रोतों तथा लोगों की कृषि संबंधी तथा पर्यावरण संबंधी समस्याओं का आंकलन किया गया।

5-संपूर्ण स्वचछ्ता अभियान

समिति का औपचारिक रूप से जिला ग्रामीण विकास अभिकरण से MOU 31 अक्तुबर 2010 को सम्पन्न हो चुका है।जिस कारण इस परियोजना से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी समिति कार्यकर्ताओं के ही पास है। गत वर्ष 8 फरवरी 2011 को जिला स्वच्छता मिशन में इस बारे चर्चा की गई थी कि समिति का सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान से EXIT बारे योजना निर्धारण किया जाये और उस समय तक मनरेगा आई0ई0सी0 के साथ परियोजना से जुड़े समन्वयकों की निरन्तरता रखी जाये। जिनका कार्यकाल 31 दिसम्बर 2011 को हो चुका है। 1 फरवरी 2012 को मिशन के कोर समूह में पुनः इस पर चर्चा की गई और तय किया गया कि भारत सरकार को भेजे गये परियोजना प्रस्ताव की पैरवी की जायेगी ताकि पुनः समिति के साथ औपचारिक MOU किया जा सके। मनरेगा आई0ई0 सी0 के साथ साथ TSC के कार्यो को भी निरन्तरता के साथ करेंगे।

6.मनरेगा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा नामक यह परियोजना द्वारा फरवरी 2011से शुरू की गई है। परियोजना के कार्य को पुर्ण तय देने के लिए जिले के ग्यारह विकास खण्डों के लिए कुल मिलाकर 448 पंचायत समन्वयकों को नियुक्त कर रखा हैं। और अब तक इसके लिए 2877 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।

परियोजना की स्थिति मनरेगा (आई0ई0सी0)

क्र	विकास खण्ड का नाम	कुल पंचायतें	स्त्रोत व्यक्ति	नियुक्त पंचायत समन्वयक	कुल वार्ड	कुल आयोजित कैम्प
1	सदर	61	7	61	379	379
2	बल्ह	51	7	51	327	327
3	सुन्दरनगर	49	8	49	303	303
4	करसोग	60	9	60	346	346
5	धर्मपुर	49	5	32	285	285
6	गोपालपुर	40	6	40	279	279
7	द्रंग	40	7	40	246	246
8	चौंतड़ा	40	7	40	238	238
9	गोहर	37	6	32	209	209
10	सराज	22	4	22	128	128
11	बालीचौकी	23	4	23	137	137
	कुल	473	69	448	2877	2877

गतिविधियां

1. जिला स्तर पर 15 से 19 फरवरी 2011 को जिला कार्यालय में 5दिवसीय स्त्रोत व्यक्तियों का प्रशिक्षण जिनमें 72 स्त्रोत व्यक्ति व 11 खण्ड समन्वयकों को मनरेगा Basic का प्रशिक्षण दिया गया। स्रौत व्यक्ति का खंड बार विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क्र0स0	खंड का नाम	उपस्थिति
1.	सदर	7
2.	बल्ह	7
3.	सुंदरनगर	7
4.	करसोग	10
5.	धर्मपुर	5
6.	गोपालपुर	6
7.	द्रंग	8
8.	चौंतड़ा	7
9.	गोहर	7
10.	सराज	8
	कुल	**72**

2. माह मार्च,अप्रैल,मई 2011 में 8 विकास खण्डों में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में दो दिवसीय विभागीय प्रशिक्षण जिसमें सचिव,पंचायत सहायक, तकनीकी सहायक,ग्रामीण रोजगार सेवकों ने भाग लिया। प्रशिक्षणों में परियोजना अधिकारी DRDA शामिल व सहायक अभियन्ता भी शामिल रहे।

क्र0स0	दिनांक	विकास खण्ड का नाम	प्रशिक्षण में प्रतिभागियों की संख्या
1.	16-17 मार्च	सदर	72
2.	4-5- मार्च	बल्ह	100
3.	14-15 मार्च	सुन्दनगर	112
4.	10-11 मार्च	क्रसोग	110
5.	4-5- अप्रैल	गोपालपुर	72
6.	4-5- मई	द्रंग	85
7.	16मार्च	चौंतड़ा	86
8.	18-19 मार्च	गोहर	78
	कुल		**715**

शिवरो में उपस्थि तिका विवरण

क्र	खंड का नाम	कुल क्षेत्र	पंचायतें	वार्ड	कुल शिविर	शिविर में उपस्थिति
1.	सदर	7	61	379	379	9395
2.	बल्ह	7	51	327	327	11096
3.	सुंदरनगर	7	49	303	303	11646
4.	करसोग	10	60	344	346	8928
5.	धर्मपुर	5	49	287	285	8550
6.	गोपालपुर	6	41	279	279	12785
7.	द्रंग	8	40	246	246	9925
8.	चौंतड़ा	7	40	238	238	12119
9.	गोहर	7	37	209	209	7712
10.	सराज	8	45	265	265	10694
	कुल	**72**	**473**	**2877**	**2877**	**102850**

इसी प्रकार मनरेगा आई0ई0सी0की मद्द के अनुसार मासिक प्रत्रिका **मण्डी मनरेगा** का प्रवेशांक का विमोचन गत माह 20 मई को माननीय मुख्यमंत्री प्रो0 प्रेम कुमार धुमल द्वारा थुनाग में आयोजित समारोह में मई माह के अंक का विमोचन किया जा चुका है। प्रथम चरण में जिला के 2877 वार्डो में कैम्पों का आयोजन 15 सितंबर तक पुर्ण कर लिया गया है। उसके उपरांत 9–11 नवंबर तक सामाजिक अंकेक्षण पर जिला स्तरीय कार्याशाला की गई है जिसमें दस विकास खंडों में से 34 स्रौत व्यक्तियों व 10 खंड समन्वयकों ने भाग लिया।

3. मनरेगा सामाजिक अंकेक्षण कार्यशाला रिपोर्ट 9से 11 नवम्बर,2011

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट 2005 के तहत सामाजिक अंकेषण कार्यशाला का आयोजन मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 9 से 11 नवम्बर,2011 को किया गया जिसमें 10 विकास खंडों से 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभांरभ 9 नवम्बर को अतिरिक्त उपायुक्त श्री हंसराज चौहान ने किया। उसके बाद परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण श्री बी.सी. भंडारी ने मनरेगा के बारे कहा कि मनरेगा जो करेगा सो मरेगा नहीं करेगा तो भी मरेगा परन्तु उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा से मरने से बचने के लिए चार मूलमंत्र है जिसमें पहला जानकारी, दूसरा भागेदारी, तीसरा समझदारी तथा ईमानदारी। यदि इन चार मूल मंत्रों के आधार पर कोई भी प्रतिनिधि अधिकारी/ कर्मचारी कार्य करेगा तो कोई हस्ती आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। उन्होंने मनरेगा के तहत की गई आई. ई.सी. की सराहना करते हुए कहा कि समिति द्वारा हर वार्ड स्तर पर मनरेगा आई. ई.सी. कैंप लगाए जाये जिसमें मनरेगा के बारे लोगों को जानकारी दी गई हर रोज कहीं न कहीं से फोन आता था कि मनरेगा में क्या हो रहा है क्या होना चाहिए इस तरह के फोन आते थे जिससे साबित होता है कि मनरेगा आई.ई.सी. के लोगों में हलचल हुई है। उन्होंने यह भी कहा है कि सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रिया अपने आप में हमारे लिये नई सीख होगी। अभी तक मण्डी जिला में इसे अम्लीजामा नहीं पहनाया गया । समिति के सचिव श्री ललित शर्मा ने कहा की मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति मनरेगा के तहत सामजिक अंकेषण के प्रथम चरण में 100 पंचायतों में दूसरे चरण में 150 पंचायतों में व तीसरे चरण में 223 पंचायतों में इस प्रक्रिया को अपनायेगी। 11 नवम्बर को परोक्ष रूप में डेमोस्ट्रेशन बल्ह खंड की ग्राम पंचायत मराथू में रखा गया है। दोपहर बाद खंड विकास अधिकारी सदर श्री सुभाष गौतम ने भी मनरेगा बैसिक व सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रिया बारे आन्ध्रा प्रदेश के कई उदाहरण दिये। उन्होंनें कहा कि सामाजिक अंकेक्षण पंचायत स्तर पर बनाई गई सोशल ऑडिट कमेटी करेगी। पंचायत को हर तीन माह बाद ग्राम सभा में सामाजिक अंकेक्षण करवाना अनिवार्य है जो भी कार्य पंचायत द्वारा तीन महा में किए गए उसका विस्तृत ब्यौरा जनता के बीच रखना होता है। सांयकालीन सत्र में श्री भूपेन्द्र सिंह जो समिति के संस्थापक सदस्य भी है ने भी सोशल ऑडिट बारे अपना प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि पंचायत में जो भी गड़बड़ हो रही है। उसको आरटीआई के तहत लिया जाना चाहिए की लोकपाल की शिकायत करनी चाहिए चाहे वो उपायुक्त के खिलाफ भी क्यों न हो। उन्होंने अपने खंड की ग्राम पंचायत डरवाड़ के उदाहरण दिये हैं। दिनांक 10 नवम्बर को प्रातः प्रथम दिवस की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यवाही के बारे परियोजना समन्वयक श्री ललित शर्मा ने कहा है । उसके बाद जिला लोकपाल श्री एस.पी. चटर्जी ने पीआरआई के बारे जिसमें पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद के बारे विस्तृत जानकारी दी उन्होंने कहा कि पंचायतें शैल्फ तैयार करके पंचायत समिति को भेजती है। पंचायत समिति जिला परिषद को भेजती है । वह किसी भी शैल्फ को काट नहीं सकती– जोड़ सकती है। जिला परिषद राज्य कमेटी को भेजती है। उन्होनें मनरेगा के बार विस्तृत जानकारी दी है उन्होंने कहा कि यदि मनरेगा में किसी तरह की गड़बड़ हो तो वो सादे कागज पर शिकायत कर सकते हैं। 45 दिन के भीतर–2 उसकी सुनवाई करना अनिवार्य है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा शिकायत पत्र भेजें जहां–जहां भी जिस भी तरह की गड़बड़ हो जरूर अवगत करवाएं। स्रौत व्यक्तियों को तीन समूहों में समूह चर्चा के लिए भेजा गया जिसमें चार प्रश्न दिये गयेः–

1. जिला स्तर से हमें क्या–2 मदद चाहिए।
2. खंड विकास अधिकारी के कार्योलय से कौन–2 से कार्य निकलते हैं।
3. ग्राम सभा को सफल करने हेतु हमें क्या–2 करना चाहिए।
4. प्रचार–प्रसार के लिए हमें क्या करना चाहिए।

सभी समूहों ने दोपहर भोजन से पहले चर्चा करवाई कई उसके बाद भोजन किया गया। भोजन के उपरांत चारों प्रश्नों को समूहों द्वारा प्रस्तुत किये गये। जिसमें निम्न सवालों के निम्न सवाल आये हैंः–

1. उपायुक्त महोदय द्वारा सभी उपमंडलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, विभागाध्यक्षों को पत्र व दिशा निर्देश तथा सोशल ग्राम सभा की नोटिफिकेशन करवाना।
2. खंड स्तर पर सोशन आडिट कमेटियों की बैठक व खंड विकास अधिकारी के सहयोगी स्टाफ की बैठकें करवाना।
3. ग्राम सभा को सफल बनाने हेतु वार्ड स्तर की कमेटियों की पंचायत स्तर पर बैठक व हर घर के लिए उपायुक्त महोदय का अपील पत्र।
4. प्रचार–प्रसार के लिए कुछ ऐरिया में ढोल नगाड़े बजाना तथा कुछ खंडों में उपायुक्त का अपील पत्र व वार्ड कमेटियों, महिला मंडलों, युवक मंडलों, स्कूली छात्रों, राशन डिपों के द्वारा प्रचार प्रसार करना उचित रहेगा।

समूह चर्चा के बाद ग्राम सभा को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की जाये हर खंड में कार्यकर्ता समिति के कैडर को प्रचार–प्रसार हेतु लगाया जायेगा पंचायत स्तर पर पंचायत समन्वयक, स्रौत व्यक्ति को पूरा मदद करेगा। इस सारी प्रक्रिया में पंचायत समन्वयक का अहम रोल होगा वह पंचायत में वार्ड कमेटी के सदस्यों को पहले पंचायत सतरीय बैठक में बुलायगा उसके बाद घर–2 जाकर अपील पत्र को ग्राम सभा को सफल कराने हेतु लोगों को बांटेगा स्रौत व्यक्ति पहले खंड स्तर पर बैठके उसके बाद पंचायत बैठकें व ग्राम सभा में इस प्रक्रिया को अपनाने में अपना पूर्ण सहयोग समिति को देगा।

दिनांक 11 नवम्बर को जिला के सभी स्रौत व्यक्ति ग्राम पंचायत मराथू के लिए रवाना हुए। ग्राम सभा की तैयार के लिए पंचायत कमेटी एक तरफ सोशल आडिट कमेटी दूसरी तरफ पर्यवेक्षयक तीसरी ओर व चौथी ओर स्रौत व्यक्तियों व आम ग्राम सभा सदस्यों को बिठाया गया। श्री सेवक राम ठाकुर को ऐमीनेटर का रोल करने व सवाल जबाव देने हेतु प्रपत्र दिया गया। कार्यवाही 1 बजे शुरू हुई कार्यवाही श्रीमती तेजा देवी पंचायत समिति अध्यक्षा की अध्यक्षता में शुरू की गई । मनरेगा आई0ई0सी0 कार्यक्रम के तहत समिति द्वारा प्रचार व प्रसार के लिए सभी खण्डों में वार्ड स्तर पर 50हजार पोस्टर,30हजार बुक लैट **(MNREGA GUIDE)** भेजे जा चुके हैं। प्रत्येक वार्ड को 3 हजार फीड बैक फार्म भी दिए गए है। जो कि भरकर इस कार्यालय को आ चुके है जिसकी नमूना प्रति रिपोर्ट के साथ सलंग्न है (पताका–2.) तथा मनरेगा आईईसी शैक्षणिक कार्यसमूह द्वारा हर माह निकाली गई मनरेगा मासिक प्रत्रिका की प्रतिलियां भी सलंग्न है

मनरेगा सामाजिक अंकेक्षण एवं कमेटी प्रशिक्षण बारे रिर्पोट

- ✓ दिनॉंक 9 से 11 अप्रैल 2012 को जिला स्तर पर मनरेगा सामाजिक अंकेक्षण बारे खण्ड व कलस्टर स्तरीय स्त्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला का आयोजन भी समिति कार्यालय में किया गया जिसमें समसत खण्डों के 87 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनका विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क्र0स0	खंड का नाम	उपस्थिति
1.	सदर	10
2.	बल्ह	6
3.	सुंदरनगर	6

4.	करसोग	8
5.	धर्मपुर	5
6.	गोपालपुर	6
7.	द्रंग	5
8.	चौंतड़ा	6
9.	गोहर	6
10.	सराज	10
11.	जिला	19
	कुल	**87**

- उपरोक्त कार्यशाला में परियोजना अधिकारी डी0आर0डी0ए मण्डी ने मुख्य स्त्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लिया। इस कार्यशाला में मनरेगा बेसिक,सामाजिक अंकेक्षण प्रकिया तथा कलस्टर पंचायत व गाँव स्तरीय कमेटियों के प्रशिक्षण में चर्चा की गई तथा कार्यशाला के अन्तिम दिन समस्त प्रतिभागियों को तीन समूहों में बाँटा गया तथा सामाजिक अंकेक्षण प्रकिया की रिहसल बारे तीन ग्राम पंचायतों सदर की भ्यौण,बिजणी,तथा बल्ह खण्ड की बड़सु में यह प्रकिया अपनाई गई।

7.भारतीय स्टेट बैंक (सर्विस प्रोवाईडर योजना)

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा व्यवसाय सहायक योजना के अंतर्गत समिति द्वारा अब तक सुंदरनगर कलौनी, सरकाघाट, मंडी, जोगिन्द्रनगर की शाखाओं में से 8 सहायक अभिकर्ताओं में से 4 अभिकर्ता ही कार्य कर रहे हैं।

8.विभिन्न मेलों/दिवसों का आयोजन

शिवरात्रि मेला –2011,मण्डी, नलवाड़ मेला सुंदरनगर

नाबार्ड के सहयोग से शिवरात्रि मेला –2011 में समिति द्वारा दिनांक 3 मार्च से 12 मार्च तक दो स्टॉल लगाये गये विभिन्न खंडों के समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी एवम् बिक्री स्टॉल **लगा**ये गये जिसमें विभिन्न उत्पादों की बिक्री 2,27000/– रूपये की हुई। इसी तरह राज्य स्तरीय नलवाड़ मेला सुंदरनगर में भी नाबार्ड के सहयोग से एक स्टाल लगाया गया जिसमें भी समूेहों द्वारा तैयार उत्पादों का प्रदर्शनी एवम् बिक्री स्टाल लगाया गया।

8 सितम्बर 2011 अर्न्तराष्ट्रीय साक्षरता दीवस पर सम्मान समारोह

10 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 10मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन वयास सदन में किया । की अध्यक्षता डा. पलवी गुप्ता उपाध्यक्षा जिला अस्पताल कल्याण अनुभाग ने की। इस मौके पर समिति सचिव ने समिति से जुड़े लोगों, बेटी बचाओं अभियान, स्वयं सहायता समूह, स्वच्छता, साक्षरता के क्षेत्र मे महिलाओं की भागीदारी सराहनीय रही है। जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड **श्री ललित मोहन नेगी** द्वारा संयुक्त देयता समूहों के बारे जानकारी इस योजना के तहत बेरोजगार भूमिहीन व दूसरे की जमीन पर कार्य कर रहे लोगों को बैंक से आसान शर्तो व सस्ती दरों पर ऋण ले सकते हैं। समिति द्वारा चलाए वित्तीय साक्षरता अभियान जत्थे का कार्यक्रम जिला की 150 पिछड़ी पंचायतों में किया जायेगा। जिसमें मुख्यतः किसान क्रेडिट कार्ड, संयुक्त देयता समूह, स्वयं सहायता समूह, सुक्ष्म बीमा के बारे में जागरूक किया जायेगा तथा इस कार्य में सभी बैंक भी सहयोग करेंगें।

९. वित्तीय ऑडीट रिपोर्ट

MANDI SAKASHRTA EVUM JAN VIKAS SAMITI (MSJVS) SAULI KHAD DISTT. MANDI (H.P.)
BALANCE SHEET ASON 31ST MARCH 2012

Liabilities	Sch		Current Year	Previous year
Sources of Fund				
Capital Fund				
Opening Balance		339895.23		
Less:-Transfer Building Reserve		129739.00		
Add: Excess Income Over Expenditure		1021598.16	1231754.39	339895.23
Building Reserve I		1206022.40		
Less:Depreciation		120602.80	1085419.60	1206022.40
Building Reserve II		1400937.00		
Add; Addition During the Year		129739.00	1530676.00	1400937.00
Total			3847849.99	2946854.63
Aplication Of Fund				
Fixed Assets				
Computer			91770.00	0.00
Furniture & Fixture			79776.00	0.00
Building Phase I		1206022.00		
Less: Depreciation		120602.20	1085419.80	1206022.40
Building II		1400937.00		
Add: Addition		129739.00	1530676.00	1400937.00
Total Fixed Assets (A)			2787641.80	2606959.40
Current Assets Loans & Advances				
TDS Refundable	2		703541.80	428878.00
Vikas Main Jan Sehyog			25000.00	25000.00
Loans & Advances			0.00	188810.00
Closing Balance				
Cash			89360.00	3077.00
Bank			1678577.89	1698717.23
FD			536254.00	503378.00
Total			3032733.69	2847860.23
Less: Current Liabilities & Advances				
Expenses Payable	1		1972525.50	2507965.00
			1972525.50	2507965.00
Total (B)			1060208.19	339895.23
Total (A + B)			3847849.99	2946854.63

AUDITORS REPORT

In term of our audit report of even date attached.

For Rajeev Sood & Co.
Chartered Accountants

Arvind Kumar
Partner

RAJEEV Chartered Accountants MANDI (H.P.)

Place :- MANDI

Date:-1606/2012

Secretary
Secretary/Addl. Secy.
Mandi Saksharta Avum
Jan Vikas Samiti

Finance Secretary

Chairman/Co Chairman
Chairman/Co-Chairman
Mandi Saksharta Avum
Jan Vikas Samiti

MANDI SAKASHRTA EVUM JAN VIKAS SAMITI (MSJVS) SAULI KHAD DISTT. MANDI (H.P.)

Recipt & Payment Account for the year 31st March 2012

Receipt	Amount (Rs)	Payment	Amount (Rs)
Opening Balance		International Women Day Exp	33729.00
Cash	3077.00	Expenses on Nabard Project	3129910.00
Bank	1698224.23	Expenses on Business Faciliator Project	381833.00
FD	503378.00	Honorarium Payable	95595.00
	0.00	Mandi Nagar Swachhta Abhiyan	14889.00
Grant in Aid from Nabard	3519824.00	MNREGA Expenses	3430407.00
Business Facilitator Project	418176.16	Commsion Paid	2062068.00
Grant in aid received from DRDA Under MNREGA IEC	2910000.00	Anti Narcotic Campaign	5800.00
Prize	28935.00	DIC sponsored Training	62052.00
Refund of TDS	31220.00	Office Expenses	309060.00
SHG Registration	37660.00	Disaster Managment	20319.00
Registraion of Eco Club	2402.00	Expenses TRC	143865.00
Training DIC	62000.00	Bank Charges	14984.50
Commssion Received	2489856.00	TDS 2011-12	25502.00
Disaster Management	20000.00	Computer	91770.00
Membership Fees	9150.00	Building II	129739.00
Anti Narcotic Campaign	7000.00	Furniture & Fixture	79776.00
Interest	84182.00	Commssion Payable	91028.00
Resourse Center Income	178523.00	**Closing Balance**	
Donation	8190.00	Cash	89360.00
Interest on FD	36529.00	Bank	1678577.89
Grand in Aid BDO	200000.00	FD	536254.00
Advance Received from Staff	31250.00		
Premium Payable of LIC	146942.00		
Total	**12426518.39**	**Total**	**12426518.39**

Finance Secretary

Secretary/Addl. Secy.
Mandi Saksharta Avum
Jan Vikas Samiti

Chairman/Co Chairman
Mandi Saksharta Avum
Jan Vikas Samiti

In term of our audit report of even date attached.

Place :- MANDI

Date:-1606/2012

For Rajeev Sood & Co.
Chartered Accountants

Arvind Kumar
Partner

RAJEEV SOOD & CO. Chartered Accountants MANDI (H.P.)

Sch No 1

Expenses Payable

Particulars	Amount (Rs.)
Commssion Payable	
Panjayat Coordinator IHHL	570606.00
Nagar Swachta Abhiyan	129730.00
Honorarium Payable	551023.00
Commssion Payable	278800.50
Premium Payable	146942.00
MNREGA Expenses Payable	295424.00
Total	**1972525.50**

Sch No 2

TDS Refundable

Particulars	Amount (Rs.)
TDS 2009	6448.80
TDS 2009-10	144310.00
TDS 2010-2011	247392.00
TDS 2011-12	305391.00
Total	**703541.80**

RAJEEV SOOD & CO. Chartered Accountants MANDI (H.P.)

Anneuxer Detail of Project wise Received & Payment 2011-2012

Opening Balance	Samiti Main	Grameen Vikas Adolan	CAPART/LIC	Continue Education Program IV th Year 2011-12	Total Sanitation Campaign (IEC)	Youth Career Guidance & Helpline	Jivan Mahur Micro Insurance	Building Account	SHG NABARD	Business Facilitator	Total
Cash	858.00	15.00	190.00	1332.00	0.00	0.00	201.00	172.00	277.00	32.00	3077.00
Bank	1366053.00	5698.00	2543.00	19205.00	4331.81	3136.42	200840.00	29920.00	60389.00	6108.00	1698224.23
FD	503378.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	503378.00
Grant in Aid from Nabard	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3519824.00	0.00	3519824.00
Business Facilitator Project	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	418176.16	418176.16
Grant in aid received from DRDA Under MNREGA IEC	2910000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2910000.00
Prize	4050.00	0.00	24885.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	28935.00
Refund of TDS	31220.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	31220.00
SHG Registration	37660.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	37660.00
Registraion of Eco Club	2402.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2402.00
Training DIC	62000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	62000.00
Commssion Received	1149371.00	0.00	1340485.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	-0.00	2489856.00
Disaster Management	20000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	20000.00
Membership Fees	9150.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9150.00
Anti Narcotic Campaign	7000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7000.00
Interest	37591.00	325.00	3197.00	292.00	5005.00	121.00	17666.00	6956.00	10555.00	2474.00	84182.00
Resourse Center Income	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	178523.00	0.00	0.00	178523.00
Donation	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8190.00	0.00	0.00	8190.00
Interest on FD	36529.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	36529.00
Grand in Aid BDO	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	200000.00	0.00	0.00	200000.00
Advance Received from Staff	31250.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	31250.00
Premium Payable of LIC	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	146942.00	0.00	0.00	0.00	146942.00
Total	**6208512.00**	**6038.00**	**1371300.00**	**20829.00**	**9336.81**	**3257.42**	**365649.00**	**423761.00**	**3591045.00**	**426790.16**	**12426518.39**
International Women Day Exp	33729.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	33729.00
Expenses on Nabard Project		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3129910.00	0.00	3129910.00
Expenses on Business Faciliator Project		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	381833.00	381833.00
Honorarium Payable	95595.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	95595.00
Mandi Nagar Swachhta Abhiyan	14889.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	14889.00
MNREGA Expenses	3430407.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3430407.00
Commision Paid	1148997.00	0.00	913071.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2062068.00
Anti Narcotic Campaign	5800.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5800.00
DIC sponsored Training	62052.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	62052.00
Office Expenses	17866.00	0.00	291194.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	309060.00
Disaster Managment	20319.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	20319.00
Expenses TRC	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	143865.00	0.00	0.00	143865.00
Bank Charges	910.00	0.00	227.50	0.00	0.00	0.00	13847.00	0.00	0.00	0.00	14984.50
TDS 2011-12	3653.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	21849.00	25502.00
Computer	0.00	0.00	91770.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	91770.00
Building II	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	129739.00	0.00	0.00	129739.00
Furniture & Fixture	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	79776.00	0.00	0.00	79776.00
Commssion Payable To LIC	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	91028.00		0.00	0.00	91028.00
Closing Balance											
Cash	83.00	15.00	1500.00	1332.00	0.00		83000.00	294.00	1826.00	1310.00	89360.00
Bank	837958.00	6023.00	73537.50	19497.00	9336.81	3257.42	177774.00	70087.00	459309.00	21798.16	1678577.89
FD	536254.00										536254.00
Total	6208512.00	6038.00	1371300.00	20829.00	9336.81	3257.42	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

10.समिति का ढांचा

List of Office Bearers EC & GB Member of MSJVS

S. N.	Name	Designation	Mobile
1.	Sh. Devesh Kumar, IAS	Chairman / DC	98055-00005
2.	Sh. Sandeep Kadam, IAS	Co- Chairman/ ADC	94180-39998
3.	Sh. Hemant Raj	Senior Vice --Chairman	94181-00333
4.	Smt. Krishna Tandon	Vice Chairperson	94183-00901
5.	Prof. Sunder Lohia	General Secretary	94182-61441
6.	Sh. Lalit Sharma	Secretary	94181-64777
7.	Sh. Bhim Singh	Joint Secretary	94180-73190
8.	Dr. Kamal Pyasa	Finance Secretary	98821-76248
9.	Sh. Birbal Sharma	Treasurer	9418040040
10.	Sh. Kundan Singh	Governing Council Member	94181-66912
11.	Sh. Desh Raj Sharma	Governing Council Member	94181-58281
12.	Sh. Narpat Ram	Governing Council Member	94183-71321
13.	Sh. Joginder Walia	Governing Council Member	94180-23354
14.	Sh. Rajinder Mohan	Governing Council Member	94184-94222
15.	Sh. Murari Sharma	Governing Council Member	94180-25190
16.	Sh. N.R. Thakur	Governing Council Member	94184-83177
17.	Dr. Vijay Vishal	Governing Council Member	94181-23571
18.	Dr. Veena Vaidya	Governing Council Member	94184-56803
19.	Smt. Padma Sharma	Governing Council Member	94184-67048
20.	Sh. Bhupender Singh	Governing Council Member	94180-35530
21.	Sh. Paras Rsam	Governing Council Member	94184-85605
22.	Sh. Sanjeev Thakur	Governing Council Member	94184-99553
23.	Sh. Sevak Ram	Governing Council Member	94181-64778
24.	Sh. Tilak Ram	Governing Council Member	94181-64779
25.	Sh. Naval Kishore	Governing Council Member	94186-53288
26.	Sh. Shyam Singh Chauhan	General Body Member	98170-10786
27.	Smt. Prem Kumari Thakur	General Body Member	94182-00259
28.	Sh. Ved Prakash Sharma	General Body Member	94184-63750
29.	Sh. Kuldeep Guleria	General Body Member	94181-44703
30.	Sh. Bhagat Singh Guleria	General Body Member	94180-37815
31.	Sh. Devinder Kumar	General Body Member	94182-77268
32.	Sh. Kanshi Ram	General Body Member	94185-90074
33.	Smt. Geeta Devi	General Body Member	94184-66514
34.	Smt. Jaiwanti	General Body Member	94186-52243
35.	Smt. Meera Sharma	General Body Member	94182-75772
36.	Smt. Mohni Rana	General Body Member	94184-89248
37.	Sh. Hitender Kapoor	General Body Member	94184-98167
38.	Sh. Chandu Ram Premi	General Body Member	94180-69773
39.	Sh. Khem Singh	General Body Member	94184-19729
40.	Sh. Kesar Singh	General Body Member	98571-72772
41.	Smt. Kamlesh Sharma	General Body Member	98160-15371

11.परियोजनाओं में कार्यकर्ताओं का ढांचा

क्र0स0	विवरण	संख्या
1.	परियोजना समन्वयक	2
2.	कार्यक्रम समन्वयक	6
3.	सहायक परियोजना समन्वयक	4
4.	डाटा आप्रेटर	3
5.	कार्यलय सहायक	3
6.	खण्ड समन्वयक	11
7.	सहायक खण्ड समन्वयक	11
8.	कार्यालय समन्वयक	10
9.	कार्यालय सहायक	3
10.	कलस्टर प्रभारी स्वयं सहायता समूह	115
11.	सहायक अभिकर्ता (जीवनमधुर)	260
12.	पंचायत समन्वयक	473

12.अखबारों की कतरने

राजा बली और बाली से छल
यह उद्गार मां चामुंडा मंदिर
समीप श्रीमद्भागवत कथा का
हुए भूपेंद्र शर्मा ने व्यक्त किए।
पुजारी चुनी लाल शर्मा, पत्नी
और भ्राता सोम देव शर्मा द्वारा
बेटी वर्षा देवी और मां चनणू

सितंबर तक मनाया जाएगा। मेला कमेटी के प्रधान प्रकाश बनेर ने लोगों से आग्रह किया है कि वे मेले में आकर अपने पितरों का आशीर्वाद लें। यह मेला श्राद्ध आने के उपलक्ष्य में पितरों की याद में मनाया जाता है। मेले में महिला मंडल व अन्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

अधिक प्रयोग होने की आशंका बनी रहती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के अलावा गर्भवती महिलाओं, किशोरियों, ग्रामस्तरीय समन्वय समिति सदस्यों व अन्य महिलाओं ने हिस्सा लिया।

रूप सिंह ठाकुर ने यह आरोप वीरवार को पत्रकारवार्ता में लगाया।

उन्होंने कहा कि 12 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई 56 किलोमीटर लंबी पंडार ... सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अगले माह इस सड़क का लोकार्पण कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे सड़क सुविधा से महरूम

सड़क का निर्माण होने से क्षेत्र
से किया गया एक बड़ा चुनावी
पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि
का विकास उनके जीवन का एक
है। जिसे पुरा करने के लिए
की कमी आड़े नहीं आने दी
उन्होंने कहा कि कांगू
जिसका निर्माण करीब 11 करोड़

...नता व सरकारी एजेंसियों के बीच साक्षरता समिति सेतु

समारोह

...सहायता समूहों, अभिकर्ताओं व ...समन्वयकों को सम्मानित किया

...संवाददाता, मंडी : मंडी साक्षरता एवं ... समिति जनता एवं सरकारी ... के मध्य सेतु का कार्य कर रही ... विचार अतिरिक्त उपायुक्त मंडी ... चौहान ने वीरवार को मंडी साक्षरता ... विकास समिति के 20 वर्ष पूरे होने ... अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर ... जिलास्तरीय सम्मान समारोह की ... करते हुए व्यक्त किए।

... ने कहा कि समिति जहां लोगों का ... बनाने का प्रयास कर रही है वहीं ... परिवेश में कठिन व भौगोलिक ... में जीवन यापन कर रहे लोगों ... भी कर रही है।

... ने कहा कि समिति ने लोगों तक ... पॉलिसियों को पहुंचाया है तथा लोगों ... रोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए ... कार्यक्रम चलाए गए हैं। चौहान

मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की ओर से आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति। (दाएं) समारोह में उपस्थित अतिरिक्त उपायुक्त ... चौहान, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राज वैद्य व अन्य गणमान्य।

ने बताया कि समिति जिले के 473 गावों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। समिति ने स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर उनकी आर्थिकी सुदृढ़ करने के प्रयास कर रही है तथा समाज में फैली भ्रांतियों व कुरीतियों को समाप्त कर विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष कार्य कर रही है। इस अवसर पर भारतीय जीवन बीमा निगम के शिमला मंडल के मंडलाधिकारी सतपाल ने बताया कि समिति जिले की समस्त पंचायतों के निर्धन परिवारों को सूक्ष्म बीमा पॉलीसियों के अंतर्गत लाने के लिए प्रेरित कर रही है ताकि ग्रामीण महिलाओं को अत्याधिक लाभ प्राप्त हो।

समिति के महासचिव सुंदर लोहिया ने बताया कि भविष्य में समिति ग्रामसभा में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित बनाने के लिए विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाएगी व आपदाओं से बचाव के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

इस अवसर पर समिति द्वारा जिले के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म बीमा सहायक अभिकर्ताओं, खंड समन्वयकों को

मुख्यातिथि ने प्रशस्ति पत्र दे... किया। कार्यक्रम में भारतीय ... निगम के पदाधिकारी, ... की अध्यक्ष तेजा देवी, ... समिति की उपाध्यक्ष ... परिषद अध्यक्ष हेमंत राज ... के विभिन्न स्वयं सहायता ... एवं गणमान्य मौजूद ...

नाटकों से दी योजनाओं की जानकारी

अभियान

- द्रंग की छह पंचायतों में दी कला जत्थे ने दस्तक
- 31 को ग्राम पंचायत थल्टूखोड़ में बनाए जाएंगे किसान क्रेडिट कार्ड

बड़ीधार पंचायत में कार्यक्रम पेश करते कला जत्थे के कलाकार। जागरण

संवाद सहयोगी, पद्धर : वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत साक्षरता कला जत्थे के कलाकार इन दिनों नाटकों व गीतों के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय समावेश के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों को दे रहे हैं। इसी कड़ी में विकास खंड द्रंग की बड़ीधार, शिलग, नीहली, बिंहु, बथेरी व सनवाड़ में भी लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अभियान के तहत लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य आदि योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। नाटक दल ने वित्तीय साक्षरता अभियान, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, सूक्ष्म बीमा, किसान क्लब के गठन आदि के बारे में लोगों को विस्तार से बताया।

प्रताप सिंह ठाकुर की देखरेख में द्रंग विकास खंड की पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाया गया है, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों और स्थानीय निकायों के पदाधिकारी अभियान के सफल संचालन में सहयोग दे रहे हैं। प्रताप ठाकुर ने बताया कि अभियान के तहत किसान क्रेडिट कार्ड, सूक्ष्म बीमा, फसल बीमा, पशु बीमा, दूध गंगा योजना, संयुक्त देयता समूह, बागवानी मिशन, स्वास्थ्य मिशन, साक्षरता मिशन आदि के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि 27 मई को बल्ह टिक्कर, रोपा, 28 को सियुन व डलाह, 29 को कधार, 30 को बरधान व बरोट में जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। द्रंग खंड में अभियान का समापन 31 मई को ग्राम पंचायत थल्टूखोड़ में 11 बजे होगा, जिसकी अध्यक्षता मंडी के डीसी करेंगे। इस दौरान किसानों के क्रेडिट कार्ड भी बनाए जाएंगे।

कधार पंचायत में खुला किसान क्लब

बागवानी समस्याओं से निपटने में होगी आसानी : नेगी

उरला (मंडी)। क्षेत्र में ग्रामीण स्तर तक किसानों-बागवानों एवं पशु पालकों की आर्थिक उन्नति हो, इसी मकसद से हर गांव में किसान क्लबों का गठन किया जा रहा है। ये शब्द नाबार्ड के मुख्य प्रबंधक ललित मोहन नेगी ने कहे।

ग्राम पंचायत कधार में जिले के 96वें जालपा किसान क्लब लुंढरा के लांचिंग समारोह के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्लबों के माध्यम से कृषि बागवानी और पशु पालन से संबंधित समस्याओं से निपटने में आसानी होगी। किसान क्लब गांव की सामूहिक समस्याओं को भी मंच के माध्यम से सरकार से उठा सकते हैं। भारत सरकार ने किसानों के लिए सस्ती दरों पर किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की है, इसमें सौ रुपये के ऋण पर मात्र एक महीने में 33 पैसे ही ब्याज किसानों को देना होगा। जिला मंडी में नाबार्ड के सहयोग से 200 किसान क्लबों के गठन संबंधी परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। स्टेट बैंक गुम्मा के प्रबंधक राकेश ठाकुर, पशु पालन विभाग के फार्मासिस्ट सरन दास, मंडी साक्षरता और जन विकास समिति के सहसचिव भीम सिंह, द्रंग खंड समन्वयक लता गोस्वामी एवं स्थानीय पंचायत प्रधान शकुंतला देवी, खेम सिंह, पूर्व प्रधान रघुवीर सिंह, सीता देवी, प्रधान महिला मंडल थोरट निर्मला देवी, लता ठाकुर, गीता, लीला, लता, कृष्णा आदि किसानों ने जानकारियां हासिल की।

गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत होगा विकास

मंडी के चार गांवों की बदलेगी तसवीर

1-9-2011 अमर उजाला

मुरारी शर्मा

- ग्रामीणों की आर्थिकी सुधारने की कवायद
- हरेक गांव को मिलेंगे पचास हजार रुपये

मंडी। साक्षरता का मतलब केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं है, बल्कि अपने बदहाली के कारणों को जानकर उनसे मुक्ति की दिशा में प्रयास करना भी है। अपने इसी मूल उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति भी प्रयासरत है। मंडी जिले में गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत चार गांवों को लिया गया है। नाबार्ड के सहयोग से चलने वाले इस कार्यक्रम में समिति की ओर से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इससे गांव के लोगों का आर्थिक स्तर सुधारा जा सकेगा।

सदर खंड के सेहली, गोपालपुर के छात्र कलैहड़ी, करसोग के फेगल तथा गोहर के नौण गांव को इस योजना में शामिल किया गया है। गांव में विभिन्न बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नाबार्ड की ओर से सालाना 50000 रुपये एक गांव को वित्तीय सहायता के रूप में दी जाएगी। गांव के विकास को लेकर सभी विभाग और बैंक मिलकर कार्य करेंगे। वहीं, नाबार्ड की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे दुग्ध उत्पादन और कृषि कार्यों के लिए मदद करने के अलावा महिलाओं और नौजवानों के विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। मंडी साक्षरता समिति की ओर से सभी परिवारों को स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, सूक्ष्म बीमा जैसी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके लिए इन गांवों में समन्वयकों की तैनाती भी की जा रही है।

इधर, समिति के सह अध्यक्ष अतिरिक्त उपायुक्त हंसराज चौहान का कहना है कि ग्रामीण विकास को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। इसमें ढांचागत विकास के साथ-साथ मानवीय विकास को भी जोड़ा जाना चाहिए। वर्तमान में नौजवानों को स्वरोजगार के साथ जोड़ना जरूरी है। विभागीय योजनाओं को गांव तक पहुंचाने का कार्य समिति करेगी।

मंडी : साक्षरता एवं जनविकास समिति के सौजन्य से गोपालपुर में प्रशिक्षण शिविर के दौरान उत्पादों के साथ महिलाएं सामूहिक चित्र में

दिव्य हिमाचल 12-2-2012

नरोला–समैला में जागरूकता शिविर

मंडी — मंडी साक्षरता एवं जनविकास समिति द्वारा गोपालपुर खंड के नरोला व समैला गांव में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें साठ स्वयंसेवी सहायता समूह की महिलाओं नें उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दौरान उन्हें पर्स मेकिंग, कैरी बैग, आचार, जैम और सॉस बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। 12 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह में अग्रणी बैंक अधिकारी एनके अरोड़ा ने बतौर मुख्यातिथि शिरक्त की। इस दौरान उन्होंनें बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी महिलाओं को प्रदान की। साथ ही महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का निरीक्षण किया। इस दौरान राज्य सहकारी बैंक बलद्वाड़ा, हिमाचल ग्रामीण बैंक समेला, राज्य सहकारी बैंक समेला के प्रबंधक भी मौके पर मौजूद रहे।

1 3.समिति को प्रदान पुरस्कार

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला

प्रशस्ति पत्र

ल प्रदेश में वर्ष 2010 – 2011 में स्वयं सहायता समूह – बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य

हेतु स्वयं सहायता संवर्धन संस्थाओं के वर्ग में प्रथम आने पर, मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति, मण्डी

ज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है ।

क : 24 मई, 2012

: शिमला

नरेश गुप्ता

मुख्य महाप्रबन्धक

विभिन्न गतिविधियों की झलकी

जन शिक्षा ,स्वास्थ्य और विकास के लिए कटिबद्ध

सुस्वागतम
Micro Insurance

कौशल विकास कार्यक्रम के तहत
लेडिज बैग, पर्स, कैरी बैग का प्रशिक्षण

Himalayan
Environment and
Development,
Himachal Unit,
Mohal-Kullu

क्लब कार्यक्रम के अन्तर्गत
जालपा किसान क्लब पदवाहन
खण्ड द्रंग
आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है !